आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 27.04.2025

समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा – कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों और षड्यंत्रकारियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।
- प्रदेश सरकार ने चारधाम और हेमकुंड यात्रा के लिए पंजीकृत पाकिस्तानी श्रद्धालुओं का पंजीकरण तत्काल प्रभाव से रद्द किया।
- चारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण कल से शुरू होंगे।
- कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, विदेश मंत्रालय जून से अगस्त माह के दौरान यात्रा का आयोजन करेगा।
- **और,** विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन– वेव्स 2025 एक से चार मई तक मुंबई में आयोजित होगा।

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों और षड्यंत्रकारियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में श्री मोदी ने कहा कि यह हमला आतंकवाद के आकाओं की हताशा और कायरता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में देश की एकता सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने में जागरूकता सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा कि अब प्राकृतिक आपदा की स्थिति में लोग अपने मोबाइल पर सचेत ऐप की मदद से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

'मन की बात' के 121वें संस्करण को प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर सुना गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम को सुना।

पंजीकरण रद्द

प्रदेश सरकार ने चारधाम और हेमकुंड यात्रा के लिए पंजीकृत 77 पाकिस्तानी श्रद्धालुओं का पंजीकरण तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। ये जानकारी देते हुए पर्यटन और संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पर्यटन और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते।

श्री महाराज ने कहा कि सरकार ने चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। अब तक चारधाम यात्रा के लिए 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, जिसमें 185 देशों के 25 हजार से अधिक विदेशी श्रद्धालु भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यात्रियों को हेलीकॉप्टर बुकिंग में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए हेलीकॉप्टर टिकटों की कालाबाजारी और यात्रा मार्ग पर पार्किंग शुल्क वसूली के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। श्री महाराज ने बताया कि यात्रा के लिए कल से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो जाएगा, जिसके लिए हरिद्वार, ऋषिकेश, विकासनगर और हरबर्टपुर में पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों पर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए उत्तरकाशी पुलिस को 10 नई मोटरसाइकिलें दी गई हैं, जो संकरे मार्गों पर लगातार गश्त करेगी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। यात्रा के लिए मंत्रालय की वेबसाइट kmy.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय की ओर से एक निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से यात्रियों का चयन किया जाएगा और उनको विभिन्न मार्ग और बैच आवंटित किए जाएंगे।

विदेश मंत्रालय ने कल यानी 26 अप्रैल को **'कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025'** की औपचारिक घोषणा करते हुए ये जानकारी दी। मंत्रालय इस वर्ष जून से अगस्त माह के दौरान यात्रा का आयोजन करेगा। श्रद्धालुओं के जत्थे उत्तराखंड के लिपुलेख और सिक्किम के नाथू ला दर्रे को पार करते हुए यह यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस साल पांच बैच, जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे।

उत्तराखंड की ओर से कैलाश मानसरोवर यात्रा का संचालन कुमाऊं मंडल विकास निगम करेगा। यह यात्रा दिल्ली से शुरू होकर पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित की जाएगी। पहला दल 10 जुलाई को लिपुलेख पास से होते हुए चीन में प्रवेश करेगा। अंतिम यात्रा दल 22 अगस्त को चीन से भारत के लिए प्रस्थान करेगा। प्रत्येक दल की 22 दिनों की यात्रा की जाएगी।

यात्रा के लिए इस बार श्रद्धालुओं को कुमाऊं मंडल विकास निगम को 35 हजार की जगह 56 हजार रुपए चुकाने पड़ेंगे। केएमवीएन इन पैसे से यात्रियों के आने–जाने, ठहरने और उनके खाने पीने का इंतजाम करेगा। इसके अलावा श्रद्धालुओं को मेडिकल जांच, चीन का वीजा, कुली, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चीन सीमा में अलग से खर्च करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून से उच्च हिमालयी चिकित्सा सेवा का फ्लैग ऑफ और संजीवनी किट का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से इन स्वास्थ्य सुविधाओं से चारधाम यात्रा के सफल संचालन में सहायता मिलेगी।

उच्च हिमालयी चिकित्सा सेवा के तहत आदि कैलास, केदारनाथ, बद्रीनाथ, मध्यमहेश्वर, तुंगनाथ और रुद्रनाथ यात्रा के दौरान कैंप लगाकर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज उत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ में तीन करोड़ तीस लाख रुपये की लागत से बनने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय छात्रावास का शिलान्यास किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम सबसे पहले घोषित करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस वर्ष 40 प्रतिशत छात्र–छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो राज्य की सुदृढ़ शिक्षा व्यवस्था को दर्शाता है।

आउटसोर्स

राज्य सरकार ने कहा है कि सरकारी विभागों में आउटसोर्स, संविदा, दैनिक वेतन, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ कर्मचारियों की भर्ती पर रोक से, विभिन्न विभागों में पहले से कार्यरत कर्मचारियों की सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने स्पष्ट किया है कि इस रोक का आशय मात्र भविष्य में होने वाली भर्तियों से है। उन्होंने बताया कि शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि, भविष्य में रिक्त पदों पर अब मात्र नियमित भर्तियां ही की जाएंगी।

वनाग्नि

प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र में तापमान बढ़ने के साथ ही वनाग्नि की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। पिछले एक सप्ताह में चंपावत जिले में 20 हेक्टेयर से अधिक जंगल जलकर राख हो गए। हालांकि वन विभाग, अग्निशमन और स्थानीय लोगों की मदद से वनाग्नि की अधिकांश घटनाओं पर काबू पा लिया गया। जिले के प्रभागीय वनाधिकारी नवीन चंद्र पंत ने बताया कि वनाग्नि नियंत्रण को लेकर ग्राम प्रहरियों और ग्राम पंचायत अधिकारियों को गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से वनाग्नि पर नियंत्रण करने के निर्देश दिए गए हैं।

वेव्स

विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन– वेव्स 2025 पहली से चार मई तक मुंबई में आयोजित होगा। शिखर सम्मेलन में भारत मंडप में देश की विरासत और वैश्विक मीडिया तथा मनोरंजन परिदृश्य के बढ़ते प्रभाव का प्रदर्शन होगा।

कला से कोड विषय पर आधारित इस मंडप में भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम यानी दुनिया एक परिवार है' की भावना प्रदर्शित होगी। इसमें यह दिखाया जाएगा कि कैसे देश की कलात्मक परंपराएं लंबे समय से रचनात्मकता, सद्भाव और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रतीक रही हैं।

भारत मंडल के केंद्र में चार क्षेत्र आगंतुकों को भारतीय कहानी सुनाने की परंपराओं से अवगत कराएंगे। इनमें श्रुति – वैदिक मंत्रों और लोकगीत, शास्त्रीय संगीत, रेडियो और बोले गए शब्दों तक मौखिक परंपराओं पर प्रकाश डालती है।